Midwifery and Gynaecological Nursing, Video 01

Q. प्रसूति विज्ञान से आप क्या समझते हैं?

What do you understand with midwifery?

उत्तर- प्रसूति विज्ञान (Midwifery or Obstetrics)

प्रसूति विज्ञान चिकित्सा विज्ञान की एक महत्वपूर्ण शाखा होती है।

प्रजनन काल में होने वाली जटिलताओं का गर्भ पूर्व, गर्भावस्था में, प्रसव के समय एवं प्रसव के पश्चात एवं महिला व शिशु की देखभाल करने तथा स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करते हेतु प्रशिक्षित करने की कला या विज्ञान को ही प्रसूति विज्ञान अथवा मिडवाइफरी कहते हैं।

Obstetrics is an important branch of medical science.

The art or science of treating complications occurring in the reproductive period before conception, during pregnancy, at the time of delivery and after delivery and taking care of women and children and providing health services is called obstetrics or midwifery.

प्रश्न . दाई (मिडवाइफ) को परिभाषाषित करें एवं उसके कार्यों का वर्णन कीजिए।

Define midwife and write down the functions of midwife.

मिडवाइफ की उपयोगिता लिखें।

Write down the scope of midwife.

उत्तर- दाई अथवा मिडवाइफ (Midwife)

दाई या मिडवाइफ शब्द का अर्थ होता है, प्रशिक्षित व रजिस्टर्ड मान्यता प्राप्त व्यक्ति (स्त्री या पुरुष), जो गर्भ के पूर्व, गर्भावस्था, प्रसव तथा सूतिकावस्था में रोगी महिला व नवजात शिशु की देखभाल करता हो।

अथवा

मिडवाइफ ऐसे व्यक्ति (महिला या पुरुष) को कहते हैं जिसने नियमित रूप से मिडवाइफरी शिक्षण प्राप्त किया हो व उसके पास मान्यता प्राप्त संस्थान की डिग्री अथवा डिप्लोमा हो एवं मिडवाइफ का कार्य करने के लिए वह वैध एवं पंजीकृत हो।

The word Dai or Midwife means a trained and registered recognized person (male or female) who takes care of a sick woman and a newborn baby during pre-conception, pregnancy, delivery and postpartum period.

Or

Midwife is a person (male or female) who has received regular midwifery training and has a degree or diploma from a recognized institute and is legally and registered to work as a midwife

दाई अथवा मिडवाइफ के कार्य (Functions of Midwife) -

मिडवाइफ द्वारा सम्पादित किए जाने वाले प्रमुख कार्य निम्न प्रकार होते हैं-

1. गर्भधारण से पूर्व पति-पत्नी की pre-conceptional counselling करना तथा सामान्य जांचें करना।

2. पति-पत्नी की इतिवृत (history) एकत्र करना।

3. गर्भधारण के समय में महिला की देखभाल (antenatal care) करना।

4. अच्छा आहार लेने, पर्याप्त नींद लेने तथा उचित शारीरिक व्यायाम करने की सलाह देना।

5. समय-समय पर गर्भवती महिला की जाँचें करना।

6. महिला के स्तनों की देखभाल करते रहना, शिशु जन्म के पश्चात स्तनपान की विधि बताना।

7. महिला को आयरन व फॉलिक एसिड की आवश्यकता होने पर प्रदान करना।

8. गर्भावस्था व जन्म देने के पश्चात् पहनने वाले वस्त्रों के बारे में सलाह देना।

9. धूम्रपान तथा अन्य नशीले पदार्थों के सेवन से बचने की सलाह देना।

10. गर्भावस्था के दौरान संभोग की क्रिया के बारे में उचित सलाह देना।

11. यदि महिला को जटिलता (high risk pregnancy) है तो चिकित्सक को सूचित करना चाहिए।

12. यदि किसी स्त्री को गर्भपात होता है अथवा मृत शिशु का जन्म होता है तो ऐसी विषम परिस्थितियों में रोगी व उसके परिजनों को सांत्वना व मनोवैज्ञानिक सहारा देना।

13. मिडवाईफ को चाहिए कि प्रसव को सुगम बनाए रखे तथा निरन्तर monitoring रखे यदि कोई warning sign दिखाई दें तो तुरंत डॉक्टर को सूचना दे।

14. डॉक्टर द्वारा निर्देशित दवाइयों को रोगी को देने के लिए पाँच नियमों का पालन करना चाहिए- सही दवा (right medicine), सही रोगी (right patient), सही मात्रा (right dose), सही मार्ग (right route), तथा सही समय (right time)।

15. रोगी की आवश्यकतानुसार परिवार नियोजन की जानकारी व सलाह देनी चाहिए।

16. सभी records तथा partograph को तैयार रखना चाहिए।

The main tasks performed by a midwife are as follows-

1. Pre-conceptional counselling of the husband and wife before pregnancy and general checkups.

2. Collecting the history of the husband and wife.

3. Taking care of the woman during pregnancy (antenatal care).

4. Advising to take good food, get adequate sleep and do proper physical exercise.

5. Conducting checkups of the pregnant woman from time to time.

6. Taking care of the woman's breasts, telling the method of breastfeeding after the birth of the child.

7. Providing iron and folic acid to the woman when required.

8. Advising about the clothes to be worn during pregnancy and after giving birth.

9. Advising to avoid smoking and consumption of other intoxicants.

10. Giving proper advice about sexual intercourse during pregnancy.

11. If the woman has complications (high risk pregnancy), then the doctor should be informed.

12. If a woman has a miscarriage or a dead child is born, then in such difficult circumstances, the patient and her family should be consoled and given psychological support.

13. The midwife should make the delivery smooth and keep continuous monitoring. If any warning sign is seen, the doctor should be informed immediately.

14. Five rules should be followed to give the medicines prescribed by the doctor to the patient - right medicine, right patient, right dose, right route, and right time.

15. Information and advice on family planning should be given as per the patient's need.

16. All records and partographs should be kept ready.